Toppersnotes®
Unleash the topper in you

3rd – ग्रेड

अध्यापक

लेवल – द्वितीय

कार्यालय निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर

भाग – 1

राजस्थान भूगोल

SIERRA INNOVATIONS

3rd GRADE TEACHER

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
	राजस्थान का भूगोल	
1.	राजस्थान की अवस्थिति, आकार एवं विस्तार	1
2.	राजस्थान का भौतिक विस्तार	19
3.	राजस्थान की जलवायु एवं मानसून	55
4.	राजस्थान की जलवायु की विशेषताएँ	65
5.	राजस्थान का अपवाह तंत्र (नदियाँ)	66
6.	राजस्थान में झीलें	89
7.	राजस्थान में मृदा संसाधन	101
8.	राजस्थान में कृषि	105
9.	राजस्थान में औद्योगिक परिदृश्य	123
10.	राजस्थान की जनसंख्या	139
11.	राजस्थान के वन्यजीव अभयारण्य तथा राष्ट्रीय उद्यान	144
12.	राजस्थान में वन संपदा	162
13.	राजस्थान की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ	172
14.	राजस्थान में परिवहन	176
15.	जल संरक्षण एवं संग्रहण	192
16.	राजस्थान की खनिज सम्पदा	194
17.	राजस्थान में ऊर्जा संसाधन	209

राजस्थान की अवस्थिति, आकृति, आकार एवं विस्तार

राजस्थान का नामकरण

- रामायण/वाल्मीकि – मरूकान्तार कहा है।
- जॉर्ज थॉमस – सर्वप्रथम – राजपूताना शब्द – 1800 ई. में इस क्षेत्र के लिए प्रयुक्त किया।
- लिखित प्रमाण 1805 'द मिलिट्री मैमोरीज ऑफ मिस्टर जॉर्ज थॉमस'' नामक पुस्तक में मिलता है।
- लेखक – विलियम फ्रेंकलिन
- प्रकाशन – लॉर्ड वैलेजली द्वारा करवाया गया।
- जॉर्ज थॉमस मूलतः आयरलैंड के मूलनिवासी, मृत्यु बीकानेर, राजस्थान में – प्रथम बार शेखावाटी में आया था।

कर्नल जेम्सटॉड

- राजस्थान/रायथान/रज्जवाड़ा –1829 (प्रत्यक्ष) में इस भू–भाग के लिए नाम दिया।
- 'द एनल्स एण्ड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान' इस ग्रंथ में सर्वप्रथम 1829 में कर्नल टॉड ने राजस्थान शब्द का प्रयोग लंदन में प्रकाशित किया। इस ग्रंथ का हिंदी अनुवाद प. गौरीशंकर हीराचंद ओझा के द्वारा किया गया ।
- प. गौरी शंकर मूलतः रोहिड़ा गाँव सिरोही का मूल निवासी थे।
- इस ग्रंथ का प्रकाशन लंदन में ''जैम्स कुर्क'' द्वारा किया गया।
- इस ग्रंथ का अन्य नाम ''दी सेन्ट्रल एण्ड वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इण्डिया'' है।
- यह ग्रंथ टॉड ने अपने गुरू यती ज्ञानचन्द्र को समर्पित किया।
- इस ग्रंथ के प्रथम खण्ड में – राजपूताने की भौगोलिक स्थिति, राजपूतों की वंशावली, सामन्ती व्यवस्था और मेवाड़ का इतिहास वर्णित है।
- इस ग्रंथ के द्वितीय खण्ड में – मारवाड, बीकानेर, जैसलमेर, आमेर, हाड़ौती का इतिहास लिखा गया है।
- कर्नल टॉड के पूरानी बहियों में 'रायथान' शब्द का प्रयोग किया था।
- रायथान का शाब्दिक अर्थ – शासकों के निवास स्थान से है।

राजस्थान शब्द का अप्रत्यक्ष रूप से सर्वप्रथम लिखित उल्लेखित प्रमाण –

- चित्तौडगढ के खण्ड शिलालेख में 532 ई में 'राजस्थानीय' शब्द का प्रयोग हुआ है।
- बसंतगढ सिरोही में विक्रम संवत् 682/625 ई. को खीमलमाता मंदिर के बसंतगढ शिलालेख में राजस्थान द्वितीय के रूप में मिलता है।
- यह शिलालेख चावडा शासक वर्मलात के समय का है जो दास प्रथा पर उत्कीर्ण करवाया गया था।

30 मार्च –1949

राज्य की राजधानी जयपुर (निश्चित)
राजस्थान सीमा निर्धारण
प्रधानमंत्री हीरालाल शास्त्री मनोनीत
राजस्थान राज्य की नींव पड़ी

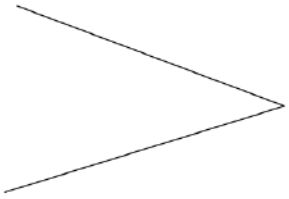

प. सत्यनारायण समिति

प्रतिवर्ष 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता है।

'मुहणोत नैणसी री ख्यात' एवं राजरूपक नामक ग्रंथो में भी राजस्थान शब्द का प्रयोग हुआ है।

1 Nov 1956

- राजस्थान वर्तमान स्वरूप में आया था।
- 1 Nov को राजस्थान स्थापना दिवस मनाया जाता है ।
- राजस्थान दिवस + राजस्थान स्थापना दिवस का आयोजन – पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है।
- राजस्थान शब्द संवैधानिक रूप से 26 जनवरी, 1950 को अस्तित्व में आया।
- ऋग्वेद में राजस्थान के लिए – 'ब्रहमवर्त' शब्द का प्रयोग हुआ है।

क्षेत्रफल : 342239 वर्ग किमी. (132139 वर्गमील) है

1. 1 km. = 1000 मीटर
2. 1 mill = 1600 मीटर | 1.61 km. लगभग (भूमि)
3. 1 mill = 1800 मीटर | 1.82 Km. – पानी में

सूत्र :

$$\frac{\text{क्षेत्रफल वर्ग km}}{1.61\times1.61}=\frac{342239}{2.59}=132139 \text{ वर्गमील (लगभग)}$$

राजस्थान का क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 10.41% है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का स्थान भारत में प्रथम है – 1 Nov 2000 से

नोट : मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ पृथक होने पर राजस्थान प्रथम स्थान पर आया।

विश्व के देशों के साथ क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का स्थान

1. इजराइल से 17 गुणा बड़ा है।
2. बेल्जियम से 11 गुणा बड़ा है।
3. भूटान से 8 गुणा बड़ा है।
4. श्रीलंका से 5 गुणा बड़ा है।
5. चेकोस्लोवाकिया से 3 गुणा बड़ा है।
6. नेपाल से 2.5 गुणा बड़ा है।
7. ब्रिटेन से 2 गुणा बड़ा है।
8. इटली से राजस्थान कुछ बड़ा है।
9. जर्मन राजस्थान के बराबर है।
10. जापान राजस्थान से कुछ बड़ा है।

राजस्थान में कुल 33 जिले

क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े जिलों का क्रम		क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे जिलों का क्रम
1.	जैसलमेर 38401 वर्ग Km. (14826 वर्गमील)	धौलपुर 3033 वर्ग KM. (1711 वर्गमील)
2.	बाड़मेर 28387 वर्ग Km.	दौसा 3432

3. बीकानेर 27244 वर्ग Km. डूंगरपुर 3770
4. जोधपुर 22850 वर्ग Km. प्रतापगढ़ 4449 वर्ग किमी

- जैसलमेर का क्षेत्रफल राजस्थान के क्षेत्रफल का 11.22 प्रतिशत हिस्सा है।
- राजस्थान जैसलमेर से 8.9% गुणा बड़ा है।
- राजस्थान धौलपुर से 112.8% गुणा बड़ा है।
- धौलपुर का क्षेत्रफल राजस्थान के क्षेत्रफल का 0.88/0.89% है।
- जैसलमेर धौलपुर से 12.66% गुणा बड़ा है।
- धौलपुर जैसलमेर का 7.9% हिस्सा है।
- अजमेर व अलवर राजस्थान के क्षे. के 2.4% है।
- दौसा राजस्थान के क्षेत्रफल का 1% है।
- राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से 128 देशों से बड़ा है।

नोट :

- पूर्वी राजस्थान के जिले क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे व जनसंख्या की दृष्टि से बड़े है।
- पश्चिमी राजस्थान के जिले क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े व जनसंख्या की दृष्टि से छोटे है।
- क्षेत्रफल में राज्य का बड़ा नगर – जयपुर व छोटा – बोरखेड़ा (बांसवाड़ा) है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का भारत के राज्यों से सम्बन्ध

- कर्नाटक, गुजरात से 2 गुना बड़ा है।
- तमिलनाडु, ओडिसा से 2.12 गुना बड़ा है।
- बिहार से 3 गुना बड़ा, केरल से 5 गुना बड़ा है।
- पंजाब व हरियाणा से 7 गुना बड़ा है।

नोट

- गोवा, सिक्किम, त्रिपुरा, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय से राजस्थान के 4 जिले क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़े हैं – जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर
- राजस्थान राज्य के कुल क्षेत्रफल व कुल जनसंख्या के कौनसा जिला लगभग एक समान प्रतिशत अंक रखता है – सिरोही।

राजस्थान का विस्तार

उत्तरी बिंदु – कोणा गाँव – गंगा नगर तहसील–श्री गंगानगर जिला

ल. + चौ. के मध्य अंतराल – 43 किमी
उ. प. से द. पू. विकर्ण – 850 किमी
द. पू. से द. प. विकर्ण – 748 किमी
दक्षिणी बिंदु – बोरकुण्ड, त. कुशलगढ़, बाँसवाड़ा

राजस्थान की स्थिति

- भारत – उत्तर–पश्चिम, भारत में कोण – वायवीय कोण
- विश्व – उत्तर–पूर्व, विश्व में कोण – ईशान कोण
- महाद्वीप – दक्षिण – पश्चिम
- ग्लोब – उत्तरी–पूर्वी गोलार्द्ध
- देशान्तर – पूर्वी देशान्तर
- अक्षांश – उत्तरी अक्षांश
- राजस्थान की अंक्षाशीय स्थिति – 23°03′ से 30°12′ उत्तरी अंक्षाश
  23°03′ से अंक्षाशीय विस्तार 7°9′
- राजस्थान मे कर्क रेखा की कुल लम्बाई – 26 km. है
- राजस्थान में कर्क रेखा बाँसवाड़ा व डूंगरपुर से गुजरती हैं।
- कर्क रेखा डूंगरपुर के चिखली गांव को नाममात्र स्पर्श करती है ।
- कर्क रेखा का सर्वाधिक विस्तार बांसवाड़ा व न्यूनतम डूंगरपुर में है ।
- कर्क रेखा के नजदीक जिला मुख्यालय – बांसवाड़ा – दूर – श्री गंगानगर
- राजस्थान में सबसे बड़ा दिन – 21 June – कर्क संक्राती – श्री गंगानगर
- राजस्थान में सबसे बड़ा रात – 22 Dec – मकर संक्राती – श्री गंगानगर
- राजस्थान में दिन रात बराबर – 21 March/ 23 Sep

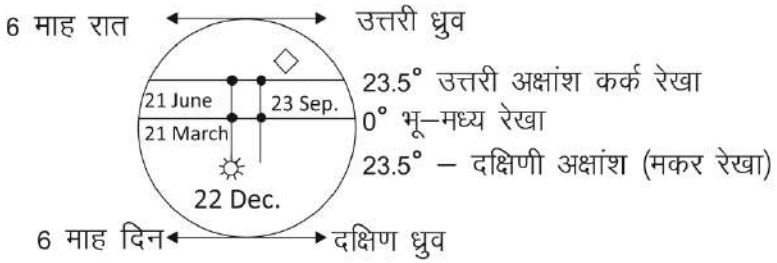

22 Dec

- सबसे छोटा दिन – सबसे बड़ी रात – श्री गंगानगर
- अपने आप में किसी भी स्थान पर सबसे बड़ी रात होगी।
- रात की अवधि दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ती है ।
- सबसे छोटी रात– बांसबाड़ा – सबसे बड़ा दिन–सबसे बड़ी परछाई

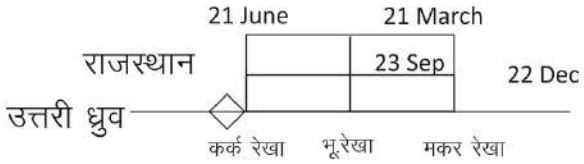

21 June

1. राजस्थान में सबसे बड़ा दिन व सबसे छोटी रात – श्री गंगानगर
   - किसी भी स्थान पर अपने आप में बड़ा दिन होता है।
   - दिन की अवधि दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ती है।
   - सबसे छोटा दिन – बांसवाड़ा – रात बड़ी।
   - रात की अवधि उत्तर से दक्षिण बढ़ती है ।
   - सबसे छोटी परछाई
   - राजस्थान में सूर्य की सबसे तिरछी किरण – श्री गंगानगर (22 Dec) में पड़ती है।
   - राजस्थान में सूर्य की सबसे लम्बवत किरण – बांसवाड़ा (21 June) में पड़ती है।

   राजस्थान में सूर्य की किरणें तिरछी – 22 Dec
   राजस्थान में दिन की अवधि बढना शुरु होती है – 22 Dec
   राजस्थान में रात की अवधि घटना शुरु होती है – 22 Dec
   राजस्थान में रात की अवधि बढना शुरु होती है – 21 June
   राजस्थान में दिन की अवधि घटना शुरु होती है – 21 June
   राजस्थान में दिन बड़ा व रात छोटी होगी – 21 March – 23 सितम्बर को
   राजस्थान का मध्यवर्ती अक्षांश 27° उत्तरी अक्षांश है यह निम्न जिलों से गुजरता है –
   जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, जयपुर, दौसा, भरतपुर
   ↑ ↑ ↑
   (जिला मुखा.) (जिला मुखा.) (जिला मुखा.)

देशान्तर विस्तार – 69°30' से 78°17' पूर्वी देशान्तर
देशान्तर विस्तार – 8°47`

- सूर्य को एक देशान्तर पार करने में 4 मी. का समय लगता है ।
- पूर्व से पश्चिम जाने पर – 8°47' × 4 = 35' 8 sec
- भारत का मानक समय $82\frac{1}{2}$ पूर्वी देशान्तर से निर्धारित है।

मानक समय

- किसी भी एक देशान्तर को आधार मानकर समय निर्धारण करना होता है।

स्थानीय समय

- सूर्य की स्थिति के आधार पर समय।
- राजस्थान में सबसे पहले सूर्योदय व सूर्यास्त धौलपुर में होता है।
- राजस्थान में सबसे बाद में सूर्यास्त व सूर्योदय जैसलमेर जिले में होता है।
- राजस्थान का मध्यवर्ती देशान्तर 74° / 75° पूर्वी देशान्तर है।
- यह देशान्तर कुल 8 जिलों से गुजरता है–
  श्री गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर

राजस्थान की सीमा रेखा

स्थलीय सीमा राजस्थान की 5920 km. है।

1. अंतर्राष्ट्रीय सीमा–1070 km.
2. अंतर्राज्यीय सीमा –4850 है km.।

1. अंतर्राष्ट्रीय सीमा

- यह सीमा राजस्थान + पाक के साथ लगती है।
- इस सीमा को रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है ।
- इस सीमा का निर्धारण–सर सिरिल रेडक्लिफ महोदय द्वारा 14–17 अगस्त, 1947 को किया गया।
- राजस्थान के 4 जिले स्पर्श करते है–
  1. श्री गंगानगर – (210 km. आरम्भिक बिन्दु) – हिन्दुमल कोट– श्री गंगानगर
  2. बीकानेर – 168 km. - सबसे कम सीमा
  3. जैसलमेर – 464 km. - सबसे अधिक सीमा
  4. बाड़मेर – 228 km. - अन्तिम बिन्दु – शाहगढ़ / वाखासर – बाड़मेर
- अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती जिलों में नजदीक जिला मुख्यालय – श्री गंगानगर व सबसे दूर जिला मुख्यालय – बीकानेर है।
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा से राजस्थान का सबसे दूर जिला मुख्यालय – धौलपुर व नजदीक जिला मुख्यालय – जालोर है। (जो रेडक्लिफ रेखा को नही छूते हो)
- रेडक्लिफ रेखा के साथ मुख्यतः केवल राजस्थान के दो जिले सीमा बनाते हैं – जैसलमेर, बीकानेर।
- राजस्थान के साथ पाक के 9 जिले सीमा बनाते है ।
- पंजाब प्रान्त – 3 - बहावल नगर, बहावलपुर, रहीमयार खान
- सिन्धु प्रान्त – 6 - घोटकी, सुक्कुर, खेरपुर, संधर, उमर कोट, थारपारकर
- राजस्थान के साथ – बहावल नगर अधिक सीमा बनाता है।
- अमरकोट सबसे कम सीमा बनाता है।

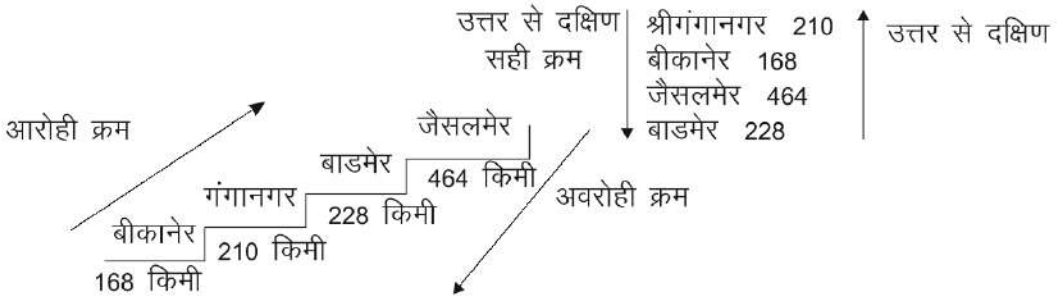

- बहावल नगर → राजस्थान से अधिक सीमा–श्री गंगानगर, बीकानेर
- बहावलपुर बीकानेर, जैसलमेर
- रहीमयार खान जैसलमेर
- घोटकी जैसलमेर
- सुक्कर जैसलमेर
- खेरपुर जैसलमेर
- संघर जैसलमेर, बाड़मेर
- उमर कोट बाड़मेर राजस्थान से सबसे कम सीमा।
- थारपारकर बाड़मेर
- रेडक्लिफ रेखा कर निर्धारण कलम से किया गया है।

इस रेखा पर क्षेत्रफल मे सबसे बड़ा जिला जैसलमेर – सबसे छोटा – श्रीगंगानगर

1. पंजाब प्रान्त – लाहौर–राजस्थान – सर्वाधिक सीमा, क्षेत्रफल बड़ा, नजदीक राजधानी मुख्यालय
2. सिन्ध प्रान्त – करांची–राजस्थान – कम सीमा, क्षेत्रफल छोटा, दूर राजधानी मुख्यालय

अंतरराज्यीय सीमा – 4850 KM.

राजस्थान 5 राज्यों की सीमा के साथ स्पर्श करता है।

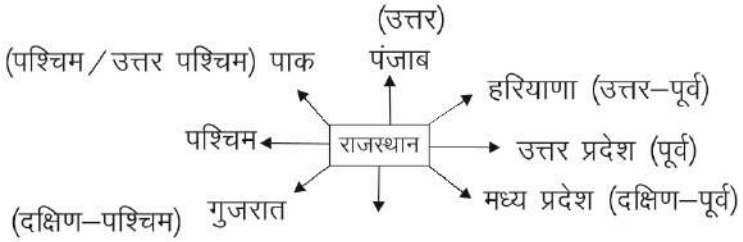

राजस्थान ⟶ 89 Km ⟶ पंजाब

- श्री गंगानगर (सीमा + क्षे.) L (नजदीक जिला मुख्यालय) फजिल्का
- हनुमानगढ (सीम + क्षे.) S (दूर जिला मुख्यालय) (सीमा सर्वाधिक) मुक्तसर

राजस्थान ⟶ 1262 Km ⟶ हरियाणा

- हनुमानगढ़ (सर्वाधिक सीमा) (नजदीक जिला मुख्यालय) (सर्वाधिक सीमा) सिरसा
- चुरु (क्षे. की दृष्टि से बड़ा) (न्यूनतम सीमा) फतेहबाद
- झुँझुनूँ (क्षेत्रफल की दृष्टि से न्यूनतम) हिसार
- सीकर भिवानी

- जयपुर (न्यूनतम सीमा) (दूर जिला मुख्यालय) महेन्द्रगढ़
- अलवर रेवाड़ी
- भरतपुर मेवात (04.04.2005)

राजस्थान ⟶ 877 km. ⟶ उत्तरप्रदेश

- भरतपुर (सर्वाधिक सीमा, क्षे. में बडा), नजदीक जिला मुख्यालय मथुरा (न्यूनतम)
- धौलपुर (न्यूनतम सीमा, क्षे. में छोटा दूर जिला मुख्यालय) (सर्वाधिक सीमा) आगरा

राजस्थान ⟶ 1600 km. ⟶ मध्यप्रदेश

- धौलपुर – क्षे. की दृष्टि से छोटा (सर्वाधिक सीमा) मुरेना
- सवाई माधोपुर श्योपुर
- करोली शिवपुरा
- कोटा गुना
- बांरा राजगढ़
- झालावाड़ – सर्वाधिक सीमा अगरमालवा
- चित्तौड़गढ़ – क्षे. की दृष्टि से बड़ा मंदसोर
- भीलवाड़ा – सबसे कम सीमा, क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा नीमच
- प्रतापगढ़ रतलाम
- बांसवाड़ा झाबुआ (न्यूनतम)

मध्यप्रदेश सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय – धौलपुर व दूर जिला मुख्यालय भीलवाड़ा।
मध्यप्रदेश के साथ चित्तौड़गढ़ व कोटा दो बार सीमा बनाते हैं।
राजस्थान के ऐसे जिले जो दो भागो में विभाजित हैं।

1. अजमेर – पाली व राजसमंद की सीमा दो भागों में बांटती हैं।
2. चित्तौड़गढ़ – भीलवाड़ा सीमा दो भागो में बांटती हैं।

राजस्थान 1022 KM. गुजरात

- बांसवाड़ा कच्छ (न्यूनतम)
- डूंगरपुर (क्षे. की दृष्टि से छोटा) बनासकांठा (सर्वाधिक)
- उदयपुर सबसे अधिक सीमा साबरकांठा
- सिरोही अरावली
- जालोर महीसागर
- बाड़मेर सबसे कम सीमा (क्षे. की दृष्टि से बड़ा) दाहोद
- डूंगरपुर गुजरात सीमा के सबसे नजदीक जिला मुख्यालय व दूर बाड़मेर है।
- राजस्थान के साथ सर्वाधिक सीमा MP. 1600 km.
- राजस्थान के साथ सबसे कम सीमा – पंजाब – 89 km.

- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा राज्य – MP
- राजस्थान की सीमा पर क्षेत्रफल में छोटा राज्य – हरियाणा

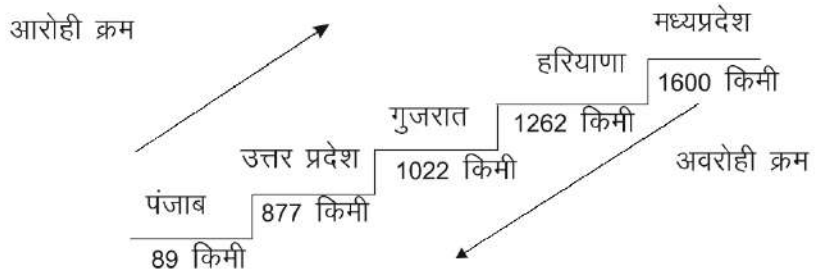

दो राज्यों के साथ सीमा बनाने वाले जिले – 4

1. हनुमानगढ़	–	पंजाब + हरियाणा
2. भरतपुर	–	हरियाणा + उत्तरप्रदेश
3. धौलपुर	–	उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
4. बाँसवाड़ा	–	मध्यप्रदेश + गुजरात

अंतरराष्ट्रीय व अंतरराज्यीय सीमा बनाने वाले जिले – 2

1. श्री गंगानगर	–	पाकिस्तान + पंजाब
2. बाड़मेर	–	पाकिस्तान + गुजरात

- राजस्थान के अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले 4 जिले हैं लेकिन मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बनाने वाले केवल दो ही जिले हैं जिनकी सीमा किसी राज्य से नही लगती है – बीकानेर, जैसलमेर
- राजस्थान के अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाले जिले 23 हैं लेकिन मुख्यतः केवल 21 ही जिले हैं।
- राजस्थान के 33 जिलों में से 25 जिलों की सीमा अंतर्राष्ट्रीय + अंतर्राज्यीय सीमा से स्पर्श करती है।
- सबसे अधिक अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला जिला – झालावाड़ है।
- सबसे कम अंतर्राज्यीय सीमा बनाने वाला जिला – बाड़मेर, भीलवाड़ा है।
- अंतर्राज्यीय सीमा पर क्षेत्रफल की दृष्टि से बाडमेर बडा जिला है व सबसे छोटा धौलपुर है।
- राजस्थान के अंतरवर्ती Land Look या जिले – 8 है।
- नागौर, जोधपुर, पाली, राजसमन्द, अजमेर, टोंक दौसा बूंदी
- राज्य में सर्वाधिक सीमा बनाने वाला जिला – पाली – 8
- पाली के साथ सर्वाधिक सीमा जोधपुर, सबसे कम बाड़मेर।
- पाली के साथ दो बार सीमा राजसमंद व अजमेर की लगती है।
- पाली से लगने वाले आठ जिले निम्न हैं –
  (जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, अजमेर, नागौर)
- नागौर के 7 जिलों की सीमा लगती है ।
- अजमेर के साथ 6 जिलों की सीमा बनती है।
- अन्तर्राज्यीय सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय – श्री गंगानगर सबसे दूर जिला मुख्यालय बाड़मेर है।
- रेडक्लिफ रेखा निर्धारण में कॉंग्रेस सदस्य जस्टिस मिहिर चंद महाजन एंव तेजसिंह थे। (राजस्थान की कुल 12 तहसीलें इस रेखा से स्पर्श करती है)

राजस्थान से सीमा बनाने वाले राज्य एक नजर में

क्र.सं.	राज्य	अन्तर्राज्यीय सीमा
1.	पंजाब	89 किलोमीटर
2.	उत्तरप्रदेश	877 किलोमीटर
3.	गुजरात	1022 किलोमीटर
4.	हरियाणा	1262 किलोमीटर
5.	मध्यप्रदेश	1600 किलोमीटर
	कुल लम्बाई	4850 किलोमीटर

राजस्थान की आकृति

- विषमकोणीय चतुर्भुज/पंतगाकार
- इन आकृतियों का निर्माता T.H हेण्डले को माना जाता है।
- धौलपुर से पहले राजस्थान का दौसा जिला सबसे छोटा था लेकिन सवाई माधोपुर की महुआ तहसील जोड़ देने पर दौसा का क्षेत्रफल 3432 वर्ग km हो गया।

सूर्य के सापेक्ष स्थिति

- सूर्य भूमध्य रेखा पर सीधा चमकता है। अतः यहाँ उच्च तापमान व अच्छी वर्षा होगी। उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनस्पति होगी।
- भूमध्य रेखा से ध्रुव की ओर सूर्य के गति करने पर सूर्य का तिरछापन बढ़ता है।
- राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में सूर्य सीधा चमकता है।
- श्री गंगानगर जिले में सूर्य तिरछा चमकता है।
- राजस्थान में सूर्य के तिरछेपन का आरोही क्रम–
  श्री गंगानगर हनुमानगढ़ ——— डूंगरपुर बांसवाडा
  राजस्थान मे सूर्य के तिरछेपन का अवरोही क्रम
  बांसवाडा डूंगरपुर ——— हनुमानगढ़, श्री गंगानगर
- सूर्य जब उत्तरी ध्रुव से भूमध्य रेखा पर सीधा चमकता है तो उसे बसंत विषुव कहते है।
- सूर्य जब दक्षिण ध्रुव से भूमध्य रेखा पर सीधा चमकता है तो उसे 'शरद विषुव' कहते है।

अंक्षाश : उत्तर से दक्षिण कोणात्मक दूरी ज्ञात करती है।
यह दूरी ज्ञात करने में व जलवायु को प्रभावित करती है।

देशान्तर : पूर्व से पश्चिम कोणात्मक दूरी ज्ञात करती है।
दो स्थानों के बीच के समय का अन्तर बताती है।

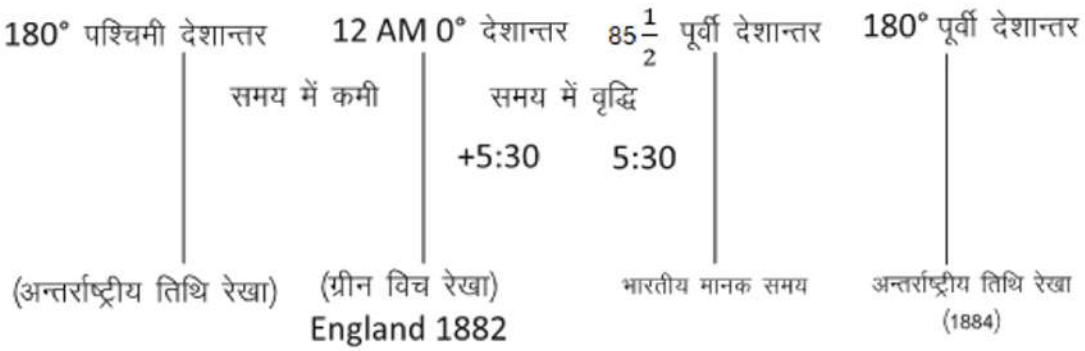

ग्रीनविच रेखा से भारतीय मानक समय 5:30 घण्टे आगे हैं।
राजस्थान के अक्षांश व देशान्तर का अन्तर है – 1°

कोई व्यक्ति 70° पूर्वी देशान्तर से जयपुर जाने में 4 घण्टे लगाता है तो जयपुर का देशान्तरीय विस्तार है–
1° = 4मी

$70° \times 4 = \frac{240°}{4} = 60° + 70° = 130°$ पूर्वी देशांतर

कोटा जिले को राजस्थान से अलग कर देने पर राजस्थान दो भागों में विभाजित होता है।
राजस्थान का मध्यवर्ती जिला नागौर व गाँव मकराना हैं।

जिले व जिलों की आकृति

- जैसलमेर — अनियमित, बहुभुजाकार, सात भुजाओं वाला
- जालोर — समुद्र में गोता खाती मछली (व्हेल मछली) के सम्मान
- उदयपुर — ऑस्ट्रेलिया जैसी
- उदयपुर संभाग — श्रीलंका जैसी
- चित्तौड़गढ़ — घोड़े की नाल जैसी
- चित्तौड़गढ़ के मुख्य भाग की आकृति — इल्ली जैसी
- भीलवाड़ा — आयताकार
- धौलपुर व करोली — बतख के समान
- भरतपुर — गिलहरी नुमा
- सीकर — अर्द्ध चन्द्राकार, प्यालेनुमा, कटोरेनुमा
- हनुमानगढ़ — अंगेजी अक्षर के समान, कुर्सी, सोफे के समान
- जोधपुर — मयूराकार
- राजसंमद — तिलक के समान
- अजमेर — त्रिभुजाकार
- अजमेर संभाग — जम्मू कश्मीर के समान
- टोंक — समचतुर्भुज, राज्य आकृति समान, पतंगाकार

- दौसा धनुषाकार
- राजस्थान अपने वर्तमान स्वरूप में 1 नबम्बर, 1956 को आया। इस समय राजस्थान में 26 जिलें थे।
- 1 नबम्बर – राजस्थान स्थापना दिवस
- 30 मार्च – राजस्थान दिवस

	जिला	संख्या	मुख्यमंत्री	RJ No
•	अजमेर (1 nov. 1956)	26वां	मोहनलाल सुखाड़िया	01
	अजमेर में जयपुर की 4 तहसीले मिलाई गयी।			
•	धौलपुर (15 April 1982)	27वां (भरतपुर से पृथक होकर बना)	शिव चरण माथुर	11
•	बारां (10 April 1991)	28वां (कोटा से पृथक)	भैरोंसिह शेखावत	28
•	दौसा (10 April 1991)	29वां (जयपुर से पृथक)	भैरोंसिह शेखावत	29
•	राजसंमद (10 April 1991)	30वां (उदयपुर से पृथक)	भैरोंसिह शेखावत	30
31वां	हनुमानगढ़	12 July 1994	भैरोंसिह शेखावत श्री गंगानगर से पृथक	RJ-31
32 वां	करोली	19 July 1997	भैरोंसिह शेखावत सवाई माधोपुर से पृथक	RJ-34
33 वां	प्रतापगढ़	26 Jan 2008	वसुन्धरा राजे	RJ-35

- प्रतापगढ़ जिला 3 जिलों से पृथक होकर बना था
  1. उदयपुर – धारीयावाद तहसील
  2. बासंवाड़ा – पीपल खूट तहसील
  3. चित्तौड़गढ – छोटी सादड़ी, अरनोद, प्रतापगढ़ तहसील
- प्रतापगढ़ जिला परमेशचन्द्र कमेटी की सिफारिश पर बना।
- प्रतापगढ़ ने अपना कार्यकाल 1 अप्रेल 2008 से शुरु किया।
- प्रतापगढ़ को आदिवासी जिले का दर्जा दिया गया।
- जी. एस. सन्धु कमेठी ने राज्य में 24 नये जिले प्रस्तावित किये।
- जिसमें सर्वाधिक – नागौर में 5 जिले प्रस्तावित है।

प्रतापगढ़ जिला एक नजर में

- प्रतापगढ़ जिला राजस्थान का 33वाँ जिला है इसे 26 जनवरी 2008 में बनाया गया।
- नवगठित जिले में 5 तहसीलें बनाई गई है जो इस प्रकार है – धारियावाद, अरनोद, प्रतापगढ़, छोटी सादड़ी, पीपलखूंट

- प्रतापगढ़ का प्राचीन नाम 'कांठल व मालव' देश था। सूरजमल के समय इस क्षेत्र को प्रतापगढ़ नाम मिला।
- आजादी के समय यहाँ का शासक रामसिंह था।
- प्रतापगढ़ में स्थित काका जी की दरगाह को **'कांठल का ताजमहल'** कहा जाता है।
- सीतामाता अभयारण्य एक मात्र सागवान वनों का अभयारण्य उड़न गिलहरियों का स्वर्ग, चीतल की मातृभूमि यहीं अवस्थित हैं।
- 25 मार्च 1948 को प्रतापगढ़ को पूर्व राजस्थान संघ में मिला दिया गया।
- राज्य का सबसे ऊँचा बांध जाख बांध (81 मीटर) प्रतापगढ़ में स्थित है।
- सन् 1945 में चुन्नीलाल व अमृतलाल पाठक द्वारा प्रतागढ़ प्रजामण्डल की स्थापना की गई।

संभाग

राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर 1 नवम्बर 1956 को राज्य का पुनर्गठन किया गया। अजमेर–मेरवाड़ा क्षेत्र राजस्थान में मिला दिया गया और इस प्रकार राज्य का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में आया।
अजमेर राजस्थान का 26वाँ जिला बना व राज्य को पाँच संभागो में विभक्त किया गया।

- अप्रैल 1962 में सुखाड़िया सरकार ने संभागीय व्यवस्था को समाप्त कर दिया।
- 26 जनवरी 1987 को हरिदेव जोशी सरकार ने राज्य को 6 संभागों जयपुर, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा में बाँटकर संभागीय व्यवस्था को पुनः कायम किया।
- भरतपुर को 7वाँ संभाग बनाने की अधिसूचना 4 जून 2005 को जारी की।

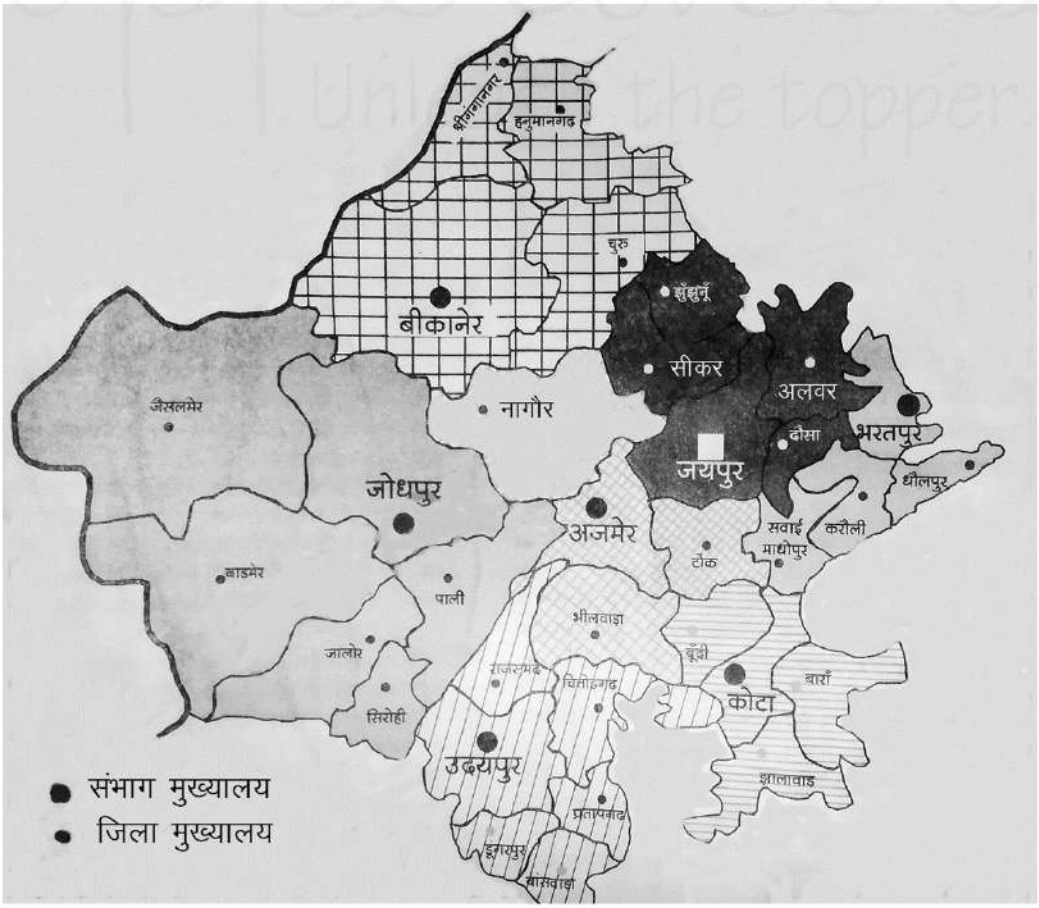

नवगठित राजस्थान में कुल 26 जिलें व 5 संभाग थे।

1. **बीकानेर**

बीकानेर संभाग में जिलों की ट्रिक

हनुमान जी ने **गंगा** में **चूबी** लगाई (4 जिले)

हनुमानगढ़, गंगानगर, चूरू, बीकानेर

श्री गंगानगर, बीकानेर हनुमानगढ़, चुरु (4 जिले)

- हनुमानगढ़ → क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा
- हनुमानगढ़ → जनसंख्या की दृष्टि से छोटा
- बीकानेर → क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा
- बीकानेर → जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा
- यह संभाग लगभग 64708 वर्ग किमी में है व जनसंख्या – 81.47 लाख (11.89%)
- सबसे कम नदियों वाला संभाग है।
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति अनुपात या % वाला संभाग

विशेष तथ्य – राजस्थान के बीकानेर व चूरू जिले में एक भी नदी नही बहती है।

2. **जयपुर**

जयपुर संभाग के जिले ट्रिक के साथ

अ जय सीकर से **दो झुँझुनें** लाया (5 जिले)

अलवर, जयपुर, सीकर, दौसा, झुँझुनू

जयपुर, अलवर, सीकर, झुँझुनूँ, दौसा (5 जिले)

- जयपुर → क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा
- जयपुर → जनसंख्या दृष्टि से बड़ा
- दौसा → क्षेत्रफल दृष्टि से छोटा
- दोसा → जनसंख्या दृष्टि से छोटा
- यह संभाग 36615 वर्ग किमी में है व जनसंख्या – 167.91 लाख (24.47%)
- सर्वाधिक साक्षरता वाला संभाग है।
- सर्वाधिक जनसंख्या वाला संभाग है।
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला संभाग है।
- सर्वाधिक अनुसुचित जाति जनसंख्या में।
- राजस्थान का उत्तर–पूर्वी संभाग।

3. **जोधपुर**

जोधपुर संभाग के जिलों की ट्रिक

जैसल बा पा जोधपुर जा सी (6 जिले)

जैसलमेर, बाड़मेर, पाली, जोधपुर, जालौर, सिरोही

जैसलमेर, बाडमेर, जालोर, सिरोही, पाली, जोधपुर (6 जिले)

- जैसलमेर → क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा
- जैसलमेर → जनसंख्या की दृष्टि से छोटा
- सिरोही → क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा
- जोधपुर → जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा
- यह संभाग 117800 वर्ग किमी है। जनसंख्या 18.68 लाख (17.30%)
- क्षेत्रफल – 34.42%
- सबसे कम जनसंख्या घनत्व
- राजस्थान में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग
- सबसे कम साक्षरता वाला
- सबसे ज्यादा जनसंख्या वृद्धि (सर्वाधिक दशकीय जनसंख्या वृद्धी दर)
- सबसे कम वर्षा या आर्द्रता वाला संभाग

4. उदयपुर

उदयपुर संभाग के जिलों की ट्रिक

उची डूंगर पर प्रताप रा बा सा (6 जिले)

उदयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, बांसवाड़ा

डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढए प्रतापगढ़, राजसमंद, उदयपुर (6 जिले)

- उदयपुर → क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा
- उदयपुर → जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा
- डूंगरपुर → क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा
- प्रतापगढ → जनसंख्या की दृष्टि से छोटा
- इस संभाग का 36942 वर्ग किमी में है व जनसंख्या – 93.26 लाख (14.32%)
- सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति अनुपात वाला संभाग
- सर्वाधिक लिंगानुपात वाला संभाग

5. कोटा

कोटा संभाग के जिलों की ट्रिक

कोझा बाबू (4 जिले)

कोटा, झालावाड़ बाराँ, बूँदी

कोटा, बूंदी बांरा, झालावाड़ (4 जिले)

- कोटा → क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा
- कोटा → जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा
- बांरा → क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा
- बूंदी → जनसंख्या की दृष्टि से छोटा
- कुल क्षेत्रफल 24204 वर्ग किमी जनसंख्या – 56.99 लाख (8.30%)